

पुलिस महानदेशकों का अखलि भारतीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने जयपुर, राजस्थान में पुलिस महानदेशक/महानरीक्षकों के 58वें अखलि भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।

मुख्य बढि:

- यह तीन दविसीय कार्यक्रम था जसिे हाइब्रडि मोड में पुलिस महानदेशक (DGP), पुलिस महानरीक्षक (IGP) तथा केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों के साथ आयोजति कथिा गया था।
- आयोजति सम्मेलन में साइबर अपराध, पुलिस व्यवस्था में प्रौद्योगिकी, आतंकवाद-रोधी चुनौतियिँ, वामपंथी उग्रवाद तथा जेल सुधार एवं आंतरकि सुरक्षा मुद्दों पर वसितार से वचिर-वमिरश कथिा गया।
- सम्मेलन का एक अन्य प्रमुख एजेंडा नए आपराधकि कानूनों के कार्यान्वयन के लयि रोड मैप पर वचिर-वमिरश है।
- इंटेलेजेंस ब्यूरो ने वर्ष 1920 में भारत में IGP का पहला सम्मेलन आयोजति कथिा था और तब से, ये सम्मेलन नयिमति रूप से नई दल्लिी में आयोजति कथिे जा रहे हैं।
 - आज़ादी के बाद आयोजति इस तरह के पहले सम्मेलन का उद्घाटन 12 जनवरी 1950 को देश के पहले गृह मंत्री [सरदार वल्लभभाई पटेल](#) ने कथिा था।
 - प्रारंभ में, यह एक द्विवार्षकि कार्यक्रम था, लेकिन वर्ष 1973 के बाद, यह राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों के पुलिस संगठनों के साथ-साथ केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों के लयि एक वार्षकि बैठक बन गई।